

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,  
सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
शहरी विकास विभाग,  
उत्तरांचल, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग:

देहरादून: दिनांक-06 मार्च, 2006

विषय : नगर पंचायत, देवप्रयाग के अन्तर्गत अवस्थापना विकास निधि से विभिन्न कार्यों की वित्तीय वर्ष-2005-06 में प्रशासकीय एवं वित्तीय तथा व्यय की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संलग्न सूची में उल्लिखित नगर पंचायत, देवप्रयाग जनपद टिहरी गढ़वाल के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यों हेतु प्रस्तुत रु०-207.58 लाख की लागत के आगणन विपरीत टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत रु०-181.75 लाख (रुपये एक करोड़ इक्यासी लाख पचहत्तर हजार मात्र) की लागत के आगणन की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए रु० 36.00 लाख (रुपये छत्तीस लाख मात्र) धनराशि को व्यय हेतु आपके निवर्तन पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त धनराशि आपके द्वारा आहरित कर सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं को बैंक ड्राफ्ट अथवा चैक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
- 2- अवस्थापना विकास मद से स्वीकृत की जा रही धनराशि को स्थानीय निकायों के द्वारा अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी का संयुक्त रूप से एक पृथक खाता किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खोल कर जमा किया जायेगा, किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग अन्य मदों में न किया जाय, इसके लिए सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।
- 3- उक्त धनराशि का उपयोग उन्हीं योजनाओं एवं मदों के लिए किया जायेगा जिन योजनाओं एवं मदों के लिए धनराशि स्वीकृत की गयी है। किसी भी दशा में धनराशि का व्यावर्तन किसी अन्य योजना/मद में नहीं किया जायेगा।
- 4- स्वीकृत धनराशि के व्यय अथवा निर्माण करने से पूर्व सभी योजनाओं/कार्यों पर संबंधित मानचित्र एवं विस्तृत आगणन गठित कर तकनीकी दृष्टिकोण से समस्त औपचारिकतायें पूर्ण करते हुए एवं विशिष्टियों का अनुपालन करते हुए प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा।
- 5- सम्बन्धित कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण कार्य निर्धारित अवधि के अन्तर्गत पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा और किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगणनों पर स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी। कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेंसी के अधिशासी अभियंता/अधिशासी अधिकारी पूर्ण रूपेण उत्तरदायी होंगे।

*साक्षि*  
(नगरपाली कार्यालय)  
अनु. 14  
शहरी विकास  
उत्तरांचल शासन



- 6- योजनाओं हेतु भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के बाद ही स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण किया जायेगा। यदि भूमि की उपलब्धता एक माह के भीतर सुनिश्चित नहीं होती है और कब्जा प्राप्त नहीं होता है तो स्वीकृत की जा रही धनराशि का नहीं किया जायेगा।
- 7- स्वीकृत कार्य कराते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर परचेज रूल्स एवं मितव्ययता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये, एकमुश्त प्राविधान के विस्तृत आगणन गठित कर लिये जाये, और इन पर यदि किसी तकनीकी अधिकारी के कार्य कराने से पूर्व का अनुमोदन प्राप्त करना नियमानुसार आवश्यक हो तो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उक्त अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाये।
- 8- यदि उक्त कार्य अन्य विभागीय/नगर निकाय के बजट से स्वीकृत हो चुके हैं या कराये जा चुके हैं तब सम्बन्धित योजना/कार्य के लिए इस शासनादेश द्वारा अवमुक्त की जा रही धनराशि का कोषागार से आहरण न करके उसकी सूचना शासन को देकर आवश्यक धनराशि शासन को दिनांक 31-03-06 तक समर्पित कर दी जायेगी।
- 9- कार्य करने के बाद कार्य स्थान पर योजना के पूर्ण विवरण के साथ अर्थात् योजना की लागत, लम्बाई, कार्यदायी संस्था, ठेकेदार का नाम, प्रारम्भ करने का समय, पूर्ण करने का समय तथा वित्त पोषण के स्रोत के विवरण के साथ एक साइनबोर्ड उक्त योजना की लागत से ही लगाया जायेगा। कार्य होने की पुष्टि में कार्य प्रारम्भ करने के पूर्व व पूर्ण करने के बाद कार्यदायी संस्था द्वारा ई0ओ0 के माध्यम से निदेशक को कार्य के चित्र लेकर प्रेषित किया जायेगा।
- 10- स्वीकृत की जा रही धनराशि का एकमुश्त आहरण न करके यथाआवश्यकता ही किशतों में आहरण किया जायेगा।
- 11- सभी निर्माण कार्य समय-समय पर गुणवत्ता एवं मानकों के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायें तथा यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों को पूर्ण नहीं करते हैं तो सम्बन्धित संस्था को अग्रेत्तर धनराशि उक्त मानकों को पूर्ण करने पर निर्गत की जायेगी। निर्माण एजेंसी को एकमुश्त पूर्ण धनराशि अवमुक्त न करके दो अथवा तीन किशतों में धनराशि अवमुक्त की जायेगी और अंतिम किशत तब ही निर्गत की जाये जब कार्य की गुणवत्ता ठीक हो, शासनादेश के मानकों के अनुरूप हो।
- 12- आगणन में उल्लिखित दरों को विश्लेषण सम्बन्धित विभाग के अधिशासी अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को पुनः स्वीकृति हेतु अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 13- उक्त स्वीकृत की जा रही धनराशि की प्रतिपूर्ति का प्रस्ताव अविलम्ब शासन को प्रेषित किया जायेगा।
- 14- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 15- विस्तृत आगणन में ली जाने वाली दरों का अनुमोदन निकटतम लो0नि0वि0 के अधिशासी अभियन्ता से आवश्यक होगा एवं कार्य कराने से पूर्व समस्त कार्यों का स्थल निरीक्षण उच्च अधिकारियों से करा लिया जायेगा एवं स्थल पर आवश्यकतानुसार ही कार्य किये जायेंगे।

नमो  
(नियंत्रण उपाय)  
अनुसंधान  
शहरी विकास  
उत्तरांचल शासन

- 17- निर्माण कार्य पर प्रयोग किये जाने वाली सामग्री का नमूना परीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा उपयुक्त पायी गयी सामग्री का ही प्रयोग निर्माण कार्य में किया जाये।
- 17- शासनादेश जारी होने की तिथि से उक्त कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण राज्य सरकार को तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र भी शासन को एक वर्ष के भीतर उपलब्ध करा दिया जाये।
- 18- कार्यों की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
- 19- उक्त के संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष-2005-06 के आय-व्ययक के अनुदान सं०-13, लेखाशीर्षक-2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-03-नगरों का समेकित विकास-05-नगरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास-42 अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा।
- 20- यह आदेश वित्त विभाग के अशा०सं०- 338/XXVII(2)/2006, दिनांक- 04 मार्च, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमरेन्द्र सिन्हा)  
सचिव।

सं० 468 (1)/V-शा०वि०-06, तददिनांक।

प्रतिलिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम) उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० नगर विकास मंत्री जी।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
- 5- वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
- 6- निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी०ओ० में इसे शामिल करें।
- 7- अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, देवप्रयाग।
- 8- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(एल० फैनई)  
अपर सचिव।

नाम

(नामवर्ती अधिकारी)

दिनांक: 11/3/2006  
स्थान: देहरादून



शासनादेश संख्या 468 / V-श0वि0-06-14(सा0) / 06, दिनांक 16 मार्च, 2006 का संलग्नक।

(रूपये लाख रू0 में)

क्र0सं0	मद का नाम	आगणन लागत	टी0ए0सी0 से अनुमोदित	अवमुक्त की जा रही धनराशि
01	देवप्रयाग शान्ति बाजार बट्टीकेदार मंदिर धर्मशाला के समीप बहुउद्देश्य भवन / रैनबसेरा का निर्माण	48.33	41.86	8.00
02	देवप्रयाग बहाबाजार, धनेश्वर महादेव के समीप बहुउद्देश्य भवन / पब्लिक लाईब्रेरी का निर्माण	24.24	21.09	4.00
03	देवप्रयाग बस अड्डे के पास से संगम की ओर मार्ग का सुधारीकरण व पेवर्स (कम्प्रेस्ड टाइल्स) आदि कार्य	18.56	16.92	3.50
04	देवप्रयाग पौड़ी पुल के पास प्रस्तावित बहुउद्देश्य भवन की ओर सड़क मरम्मत कार्य	19.48	18.04	3.60
05	नगर पंचायत, देवप्रयाग में पौड़ी बस स्टैण्ड के पास बहुउद्देश्य भवन / बारातघर का निर्माण	76.97	65.67	13.40
06	माँ भुवनेश्वरी देवी मंदिर जाने वाले मार्ग का निर्माण	20.00	18.17	3.50
	कुल योग-	207.58	181.75	36.00

(रूपये छत्तीस लाख मात्र)

माय

(मायावती ठकुरियाल)

अनुसंधान  
शोध विकास  
उत्तरांचल शासन